RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2019-2021 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

दिपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

INDORE 03 NOVEMBER TO 09 NOVEMBER 2021 प्रति बुधवार वर्ष 07 अंक 9 पृष्ठ 8 कीमत 5 रु.

Inside News

पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया ने 'यूएनओ प्लस' सीरीज लॉन्च की Page 3

अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन 24 फीसदी बढ़ा Page 5

आधार कार्ड का गलत इस्तेमाल पड़ेगा भारी, अब लग सकता है 1 करोड़ रुपये तक का जुर्माना Page 7

editoria!

ग्लासगो से उम्मीदें

इटली की राजधानी रोम में जी-20 के महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जलवायु सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए ब्रिटेन के ग्लासगो शहर में हैं. इस 26वें जलवायु सम्मेलन से भारत समेत समूची दुनिया को बड़ी उम्मीदें हैं क्योंकि धरती का तापमान बढ़ने के कारण हो रहे जलवायु परिवर्तन से मानवता ही नहीं, बल्कि हमारे पूरे ग्रह के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है. विश्व को अपेक्षा है कि राजनेता, अधिकारी और विशेषज्ञ मिलकर कुछ ठोस उपाय निर्धारित करेंगे. प्रधानमंत्री मोदी इस सम्मेलन में भारत के राष्ट्रीय घोषणा को दुनिया के सामने रखेंगे. भारत दुनिया के उन देशों में है, जो कार्बन उत्सर्जन को घटाने तथा स्वच्छ ऊर्जा का उपभोग बढ़ाने की दिशा में ठोस पहल कर रहे हैं. कार्बन और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन धरती का तापमान बढ़ने का मुख्य कारण है. वैश्विक उत्सर्जन में भारत का योगदान अभी 6.6 प्रतिशत है. भारत सरकार ने आगामी दशकों में इसे शून्य के स्तर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है., लेकिन किसी समय सीमा से इसे नहीं जोड़ा गया है क्योंकि भारत को अपनी विकास आकांक्षाओं का भी ध्यान रखना है. अगर अन्य देशों के उत्सर्जन के साथ भारत की तुलना करें, तो यह अपेक्षाकृत कम है. चीन के उत्सर्जन का आंकड़ा जहां 27 प्रतिशत है, वहीं अमेरिका का योगदान 11 प्रतिशत है. यूरोपीय संघ के देश सात प्रतिशत ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जित करते हैं. भारत की आबादी चीन के लगभग बराबर है, पर अमेरिका और यूरोप से बहुत अधिक है. चीन समेत इन सभी देशों ने तो बड़ी आर्थिक प्रगति की है. निश्चित रूप से भारत की भी जिम्मेदारी है, लेकिन उत्सर्जन में कटौती धीरे-धीरे ही हो सकती है, अन्यथा औद्योगिक और अन्य गतिविधियों पर नकारात्मक असर पड़ेगा. पृथ्वी का तापमान बढ़ाने में ऐतिहासिक रूप से विकसित देश जिम्मेदार हैं. ऐसे में उन्हें अविकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को सहयोग भी देना चाहिए. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि वे कार्बन स्पेस का सामान वितरण करने, उपायों को अपनाने के लिए वित्तीय सहयोग देने, तकनीक मुहैया कराने तथा सतत विकास एवं समावेशी विकास जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को सम्मेलन में रेखांकित करेंगे. भारत ने 2015 के पेरिस जलवायु सम्मेलन के संकल्पों के प्रति हमेशा अपनी प्रतिबद्धता जतायी है. प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन भी बना है, जिसमें सौ से अधिक देश जुड़े हैं. संयुक्त राष्ट्र और अनेक देशों ने भारत के प्रयासों की सराहना भी की है. आशा है कि विकसित देश भारत द्वारा उठाये गये उचित बिंदुओं पर गौर करते हुए परस्पर सहयोग से जलवायु परिवर्तन की आपात चुनौती का समाधान निकालेंगे. हालिया ऊर्जा संकट ने फिर इंगित किया है कि चीन और पश्चिमी देश भी जीवाश्म-आधारित ईंधनों पर आश्रित हैं तथा उनका प्रति व्यक्ति औसत कार्बन उत्सर्जन भारत से बहुत अधिक है. उम्मीद है कि सम्मेलन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए व्यावहारिक हल तय करेगा.

उद्योग जगत ने 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन के मोदी के संकल्प का स्वागत किया

नयी दिल्ली। भारतीय उद्योग जगत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के संकल्प का स्वागत किया और इसे ''व्यावहारिक दीर्घकालिक लक्ष्य'' करार दिया है। उद्योग जगत ने कहा कि देश इस लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में अच्छी तरह आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को साहसिक घोषणा करते हुए कहा था कि भारत 2070 में कुल शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करेगा। इसके साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत एकमात्र देश है, जो पेरिस समझौते के तहत जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए 'उसकी भावना' के अनुरूप 'अक्षरशः' काम कर रहा है। ग्लासगो में संयुक्त राष्ट्र सीओपी-26 के राष्ट्राध्यक्ष और शासनाध्यक्ष सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए मोदी ने कहा कि भारत जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है और इसके नतीजे दिखाएगा। मोदी ने कहा, ''भारत 500 गीगावॉट गैर जीवाश्म ईंधन क्षमता 2030 तक हासिल करेगा। भारत 2030 तक अपनी ऊर्जा जरूरतों का 50 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा से प्राप्त करेगा। भारत अब से 2030 के बीच अनुमानित कार्बन उत्सर्जन में एक अरब टन की कटौती करेगा।

भारत कार्बन की गहनता में 45 प्रतिशत तक कटौती करेगा और 2070 तक शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करेगा।'' भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष टी वी नरेंद्रन ने कहा, ''सीआईआई जलवायु कार्रवाई पर एक विश्वसनीय प्रतिबद्धता के लिए आक्रामक अल्पकालिक लक्ष्यों और शुद्ध शून्य उत्सर्जन के एक व्यावहारिक दीर्घकालिक लक्ष्य के साथ सीओपी26 में प्रधानमंत्री की घोषणाओं का स्वागत करता है।''

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने और 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन के समग्र लक्ष्य के साथ भारत के कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए पांच प्रतिज्ञाओं के साथ जलवायु एजेंडे को एक नया स्तर मिलेगा। उन्होंने कहा कि भारत इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए पूरी तरह सही दिशा में है और भारतीय उद्योग जगत इसमें पूरी तरह साथ दे रहा है।

जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में काम करने वाली बीएसई में सूचीबद्ध फर्म ईकेआई एनर्जी सर्विसेज के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मनीष डबकारा ने कहा, ''आज, जलवायु परिवर्तन सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है और इस संदर्भ में प्रधानमंत्री द्वारा 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य पाने की घोषणा से पर्यावरणीय मुद्दों से संबंधित कार्यान्वयन और नीतिगत ढांचे में तात्कालिकता आएगी।''

दिवाली से पहले सोने में आई बड़ी गिरावट

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

दिवाली से एक दिन पहले बुधवार को सोने और चांदी की कीमत में गिरावट आई है। एमसीएक्स पर दिसंबर डिलिवरी वाले सोने के भाव में बुधवार को 200 रुपये से अधिक गिरावट आई। मंगलवार को यह 47,622 रुपये पर बंद हुआ था और आज 38 रुपये की गिरावट के साथ 47,584 रुपये पर खुला। सुबह 11.15 बजे यह 208 रुपये की गिरावट के साथ 47,414 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। दिसंबर डिलिवरी वाली चांदी भी 163 रुपये की गिरावट के साथ 63,060 रुपये प्रति किलो पर ट्रेड कर रही थी। वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी लौटने के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 53 रुपये मजबूत होकर 46,844 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 46,791 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 45 रुपये की तेजी के साथ 63,333 रुपये प्रति किलोग्राम हो गयी। पिछले कारोबारी सत्र में यह 63,288 रुपये प्रति किलो बंद हुई थी।

करीब 9000 रुपये सस्ता है सोना

सोने की कीमतों में भले ही आज मामूली गिरावट देखी जा रही है, लेकिन लंबी अवधि में सोना करीब 9000 रुपये सस्ता हो चुका है। पिछले साल अगस्त में सोना 56,200 रुपये के अपने उच्चतम स्तर तक जा पहुंचा था और अभी सोना 47,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के करीब पहुंच गया है। इस तरह सोने की कीमत अब तक करीब 9000 रुपये गिर चुकी है। अगर आप सोना खरीदने की सोच रहे हैं तो ये खरीदारी का अच्छा मौका है।

पिछले सालों में सोने ने दिया कितना रिटर्न

अगर बात सोने की करें तो पिछले साल सोने ने 28 फीसदी का रिटर्न दिया है। उससे पिछले साल भी सोने का रिटर्न करीब 25 फीसदी रहा था। अगर आप लॉन्ग टर्म के लिए निवेश कर रहे हैं तो सोना अभी भी निवेश के लिए बेहद सुरक्षित और अच्छा विकल्प है, जिसमें शानदार रिटर्न मिलता है। पिछले सालों में सोने से मिला रिटर्न आपके सामने है, जो दिखाता है कि निवेश करने से फायदा ही है।

सोने के लिए कम नहीं हुआ है लोगों का जुनून

गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड कोषों ईटीएफ में सितंबर में 446 करोड़ रुपये का निवेश आया। देश में त्योहारी सीजन के मद्देनजर मजबूत मांग के चलते निवेश का यह प्रवाह अभी जारी रहने की उम्मीद है। देश का सोने का आयात चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही अप्रैल-सितंबर, 2021 के दौरान कई गुना बढ़कर 24 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। देश में सोने की मांग बढ़ने से आयात बढ़ा है।

सीमेंट, इस्पात उद्योग ऊर्जा के लिए हरित हाइड्रोजन का इस्तेमाल करें: गडकरी

नागपुर। एजेंसी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि अब समय आ गया है कि सीमेंट और इस्पात उद्योग उत्पादन के लिए कोयले की जगह हरित हाइड्रोजन का ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दें। उन्होंने नागपुर में मैंगनीज ओर इंडिया लिमिटेड (एमओआईएल) के विभिन्न प्रतिष्ठानों के उद्घाटन के अवसर पर अपने संबोधन में यह कहा। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा, 'अब सीमेंट और स्टील उद्योग में कोयले के स्थान पर हरित हाइड्रोजन का ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करने का समय आ गया है। हमें धातु उद्योग चलाकर मूल्यवर्धन पर काम करना चाहिए, जहां खनन उत्पाद ऊर्जा के रूप में हरित हाइड्रोजन का इस्तेमाल कर रहे हैं। हमें पर्यावरण की रक्षा करनी होगी और साथ ही साथ अपने उत्पादन में वृद्धि भी।'

इंडियन ऑयल के पंप पर अब इलेक्ट्रिक व्हीकल भी होंगे चार्ज, जानें किन शहरों में बनेंगे

नई दिल्ली। एजेंसी

पेट्रोल और डीजल बेचने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी इंडियन ऑयल अब इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशन भी बनाएगी। कंपनी ने अगले तीन साल में कम से कम 10 हजार ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाने का फैसला किया है। ये चार्जिंग स्टेशन पहले से चल रहे पेट्रोल पंप पर तो होंगे ही, अलग से भी नए चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे।

तीन साल में 10 हजार चार्जिंग स्टेशन

इंडियन ऑयल के अध्यक्ष श्रीकांत माधव वैद्य ने बताया कि अगले तीन साल में कम से कम 10 हजार ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। इनमें से 2000 स्टेशन तो अगले अक्टूबर तक बना लिए जाएंगे। उसके बाद अगले साल 3000 स्टेशन बनाए जाएंगे और तीसरे साल 5000 चार्जिंग स्टेशन बना लिए जाएंगे।

शुरूआत नौ शहरों से

उन्होंने बताया कि शुरूआत देश के उन नौ शहरों से होगी, जहां इस समय इलेक्ट्रिक व्हीकल की संख्या ज्यादा है। ये शहर हैं- मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरू, हैदराबाद, अहमदाबाद, चेन्नई, कोलकाता, सूरत और पुणे। इन शहरों में पहले से ही ईवी चार्जिंग स्टेशन चल रहे हैं। वहां पहले साल में 231 ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। इन शहरों में दूसरे साल में 375 चार्जिंग स्टेशन बनेंगे। इन शहरों में तीसरे साल 215 स्टेशन बनाए जाएंगे।

सभी राज्यों के राजधानी में भी खुलेंगे चार्जिंग स्टेशन

वैद्य ने बताया कि देश के सभी राज्यों की राजधानी में भी पहले चरण में ही ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। इन शहरों में 44 स्टेशन बनाए जाएंगे। इनमें से 22 स्टेशन टूव्हीलर की बैटरी चार्ज करने के लिए होंगे जबकि 22 टू व्हीलर और फोर व्हीलर, दोनों तरह के वाहनों की बैटरी चार्जिंग के स्टेशन होंगे। इन शहरों में दूसरे साल के दौरान 385 जबकि तीसरे साल 515 स्टेशन खोले जाएंगे।

सभी स्मार्ट सिटी भी शामिल होंगे

इंडियन ऑयल न सिर्फ बड़े शहरों और राज्यों की राजधानी में ईवी चार्जिंग स्टेशन बनेंगे बल्कि सरकार द्वारा घोषित 100 स्मार्ट सिटीज में भी बनेंगे। पहले से घोषित शहरों के अलावा अन्य स्मार्ट सिटीज में भी आईओसी की योजना 253 ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाने की है। इन शहरों में दूसरे साल के दौरान 540 जबकि तीसरे साल में 1035 चार्जिंग स्टेशन बनेंगे।

छोटे शहरों और हाईवे पर भी बनेंगे

उन्होंने बताया कि छोटे शहरों में भी टू व्हीलर और 4 व्हीलर चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। यही नहीं, देश के हर कोने को जोड़न वाले नेशनल हाईवे पर भी चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि फिलहाल कुछ नेशनल हाईवे का चयन किया गया है। इन पर पहले साल कुल 1472 चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। इनमें से 1322 चार्जिंग स्टेशन दोपहिया वाहनों के होंगे जबकि 150 चार्जिंग स्टेशन फोर व्हीलर के होंगे। इस श्रेणी के शहरों और हाईवे पर दूसरे साल में 1400 जबकि तीसरे साल में 2510 चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे।

बेहद पावरफुल होंगे चार्जिंग स्टेशन

इंडियन ऑयल के डाइरेक्टर, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, एसएसवी रामकुमार ने बताया कि इंडियन आयल के चार्जिंग स्टेशन बेहद पावरफुल होंगे। इस समय बाजार में जो भी बेहतरीन तकनीक चल रही होगी, उस तकनीक का वह उपयोग करेंगे। चार्जिंग स्टेशनों में स्लो चार्जर और फास्ट चार्जर तो होंगे ही, हैवी ड्यूटी चार्जर भी लगाए जाएंगे। ये चार्जर बसों की बैटरी को चार्ज करने में काम आते हैं।

त्योहारी खरीदारी नकदी पर भारी

यूपीआई से पहली बार ट्रांजैक्शन 100 अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

त्योहारी खरीद करने के लिए एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) से लेन-देन ने पिछले साले रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा जारी लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर महीने में पहली बार 7.7 लाख करोड़ रुपये (मूल्य के हिसाब से 100 अरब डॉलर से अधिक) के पार लेन-देन हुआ। त्योहारी सीजन के कारण ई-कॉमर्स से जोरदार खारीदारी ने लेन-देन में उछाल लाने का काम किया है। इसके चलते यूपीआई से अक्टूबर महीने में कुल 4.2 अरब बार ट्रांजैक्शन हुए।

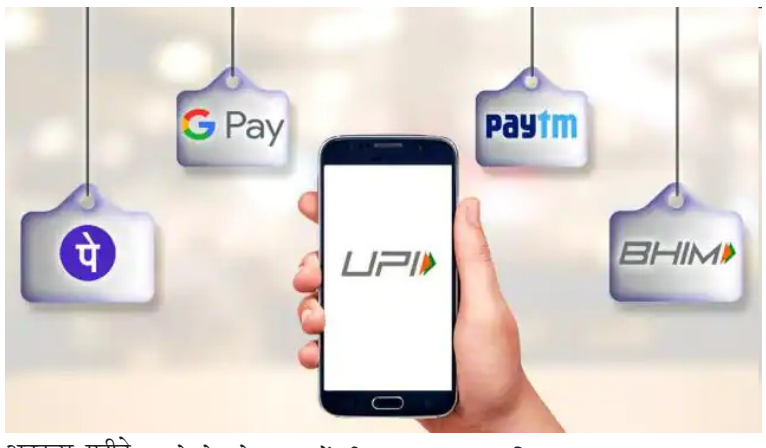

सालाना आधार पर भी लेनदेन की संख्या दोगुनी से अधिक

गौरतलब है कि सितंबर महीने में एनपीसीआई ने 3.65 अरब यूपीआई लेनदेन के माध्यम से 6.54 लाख करोड़ रुपये का डिजिटल भुगतान दर्ज किया। वर्तमान में, फोनपे, गूगल पे और पेटीएम डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में अग्रणी हैं। फोनपे ने सितंबर में 3.06 लाख करोड़ रुपये और गूगल पे ने 2.5 लाख करोड़ रुपये के डिजिटल लेनदेन रजिस्टर्ड किए। महीने के आधार पर, यूपीआई ने अक्टूबर में लेनदेन की संख्या में 15 प्रतिशत और लेनदेन के मूल्य में 18.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। सालाना आधार पर भी लेनदेन की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई और लेनदेन के मूल्य में भी लगभग 100 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

30 करोड़ लोग करते हैं डिजिटल ट्रांजैक्शन

फोन-पे पल्स के एक स्टडी से पता चला है कि देश में 19,000 से अधिक पिन कोड वाले 30 करोड़ से अधिक भारतीय अब डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करते हैं। इनमें हर पांच में से चार एक्टिव यूजर टियर 2 और 3 शहरों में से हैं, और प्रत्येक 3 में से 2 यूजर टियर 3 शहरों से हैं।

आईएमपीएस में भी बड़ा उछाल

यूपीआई के साथ तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) के जरिये भी लेनदेन की संख्या और मूल्य दोनों ने सर्वकालिक उच्च स्तर को छू लिया है। अक्टूबर में आईएमपीएस ने 3.70 खरब रुपये के 430.67 मिलियन लेनदेन दर्ज किए। सितंबर में, इसने सितंबर में 3.24 खरब रुपये की राशि के 384.88 मिलियन लेनदेन दर्ज किए थे। उल्लेखनीय है कि हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने आईएमपीएस के जरिये पैसे भेजने की सीमा दो लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये किया है।

कार्ड टोकनाइजेशन से त्योहारी खरीद अधिक सुरक्षित

भारतीय रिजर्व बैंक ने क्रेडिट और डेबिट कार्ड के जरिए ट्रांजैक्शन को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए कार्ड टोकनाइजेशन की नई व्यवस्था शुरू करने का ऐलान किया है। हालांकि, इसे अगले साल 1 जनवरी से लागू करना अनिवार्य होगा। इससे पहले ही एनपीसीआई ने रुपे कार्ड के लिए टोकनाइजेशन प्रणाली लागू कर दी है। एनपीसीआई के अनुसार, टोकनाइजेशन सिस्टम व्यापारियों के पास कार्ड डिटेल्स को स्टोर करने के विकल्प के रूप में टोकन को सपोर्ट करेगा। एनपीसीआई की इस टोकन सर्विस से कस्टमर्स की सिक्योरिटी बढ़ेगी।

पिछले सप्ताह बढ़ा अमेरिकी कच्चे तेल का भंडार

ह्यूस्टन। एजेंसी

अमेरिकी पेट्रोलियम संस्थान (एपीआई) ने 29 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के दौरान अमेरिकी भंडार में 3.594 मिलियन बैरल कच्चे तेल की वृद्धि दर्ज की है। विश्लेषकों को मंगलवार को सप्ताह के लिए लगभग 1.567 मिलियन बैरल की वृद्धि की उम्मीद की थी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एपीआई ने पिछले सप्ताह में 2.318 मिलियन बैरल की वृद्धि दर्ज की।

तेल की कीमतें मंगलवार को मिश्रित रूप से समाप्त हुईं क्योंकि व्यापारियों को अमेरिकी ईंधन स्टॉक डेटा और पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन और उसके सहयोगियों की एक प्रमुख बैठक का इंतजार है, जिसे सामूहिक रूप से ओपेक प्लस के रूप में जाना जाता है। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट दिसंबर डिलीवरी के लिए न्यूयॉर्क मर्के टाइल एक्सचेंज में 14 सेंट की गिरावट के साथ 83.91 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। लंदन आईसीई फ्यूचर्स एक्सचेंज में जनवरी डिलीवरी के लिए ब्रेंट क्रूड 1 फीसदी बढ़कर 84.72 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। यूएस एनर्जी इंफॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन बुधवार को अपनी साप्ताहिक पेट्रोलियम स्थिति रिपोर्ट जारी करने के लिए तैयार है, जबकि ओपेक प्लस के गुरुवार को मिलने की उम्मीद है, जिसमें कच्चे उत्पादन पर अपनी योजना पर चर्चा होगी। विश्लेषकों के अनुसार, प्रमुख तेल खपत करने वाले देशों के बढ़ते दबाव के बावजूद, गठबंधन को 4,00,000 बैरल प्रति दिन की क्रमिक, मासिक उत्पादन वृद्धि की अपनी योजना पर कायम रहने की उम्मीद है।

पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया ने 'यूएनओ प्लस' सीरीज लॉन्च की

स्विचगियर पोर्टफोलियो में एक प्रीमियम संकलन

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

देश में इलेक्ट्रिकल कंस्ट्रीक्शीन मैटेरियल (ईसीएम) के सबसे बड़े निर्माताओं में से एक, पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया ने प्रीमियम स्विचगियर की नवीनतम रेंज लॉन्च की। यह गुणवत्ता के प्रति सजग भारतीय उपभोक्ताओ के लिए प्रोटेक्शडन डिवाइसेस की उन्नत रेंज है। नई यूएनओ प्लस रेंज में मिनिएचर सर्किस ब्रेकर (एमसीबी), रेजिडुअल करंट ऑपरेटेड सर्किट ब्रेकर (आरसीसीबी) और डिस्ट्रिब्यूशन बोर्ड शामिल हैं। इस रेंज को अब तक की सबसे ज्यादा 7 साल की वॉरंटी दी गई है जोकि भारत में एमसीबी (0.5 एंपियर से 63 एंपियर तक) पर पहली बार दी गई है। इसके अलावा यूएनओ प्लस रेंज में 10ई सेग्मेंट में कई अनूठे फीचर्स हैं।

इस अवसर पर पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया के प्रबंध निदेशक काजुकी याओ ने कहा, 'यूएनओ प्लस का लान्चू सुरक्षित और शानदार क्वॉलिटी का आश्वासन देने वाला प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो बनाने की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धि है। यह भारतीय बाजार में हमारी वैश्विक विशेषज्ञता को बढ़ाने और अपने पोर्टफोलियो को समृद्ध बनाने के लिए शुरू से किये गये हमारे प्रयास के अनुरूप है। यूएनओ प्लस रेंज का विकास जापानी तकनीक से भारत और जापान के प्रतिभाशाली और काम में माहिर विशेषज्ञों ने किया है। इस लॉन्चत के साथ, हमारा उद्देश्य देश के मेट्रो और टियर-टु शहरों में हमारी अभिनव पेशकशों का विस्तोर करना और देश भर में अपनी मौजूदगी का दायरा बढ़ाना है।

पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया के संयुक्त प्रबंध निदेशक दिनेश अग्रवाल ने लॉन्चम पर अपनी बात रखते हुए कहा, 'पैनासोनिक में, हमारा हमेशा से ही शानदार प्रदर्शन में स्थिरता बनाए रखने का विश्वास रहा है। इससे हम समाज के सभी वर्गों को बेहतरीन आराम और सुरक्षा के लिए शानदार सर्विस और सॉल्यूशंस देने का वादा पूरा करने में सक्षम हुए हैं। हमारा टारगेट सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने वाले उपभोक्तओं, बिल्डर, इलेक्ट्रिकल कॉन्ट्रैक्टर और समाज पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाली हस्तियां हैं, जो क्वॉलिटी प्रॉडक्ट्स को इंस्टाल करने में विश्वास रखते हैं। ऑल न्यू यूएनओ प्लस स्विचगियर सीरीज को उपभोक्ताओं को संपूर्ण सुरक्षा देन के मकसद से डिजाइन किया गया। इसके साथ ही इसे क्वॉलिटी से कोई भी समझौता किए बिना शानदार डिजाइन में निर्मित किया गया है ताकि प्रॉडक्ट की बेस्ट फिनिशिंग भी सुनिश्चित की जा सके। यह रेंज हमारे सभी हितधारकों के लिए आदर्श है। शुरुआती तौर पर मार्केट से मिले रेस्पॉन्स से हम बेहद उत्साहित हैं। यह हमारा पहला प्रॉडक्ट है, जिसकी लॉन्चिंग से पहले ही बुकिंग शुरू हो गई है।'

धनतेरस पर वापस लौटी सोने की चमक

15 टन बिक गए सोने के गहने और सिक्के

7500 करोड़ की हुई बिक्री

नई दिल्ली। एजेंसी

धनतेरस पर देशभर में लगभग 7500 करोड़ रुपये की बिक्री हुई। करीब 15 टन सोने के आभूषणों की बिक्री हुई। इसमें दिल्ली में 1,000 करोड़ रुपये, महाराष्ट्र में करीब 1,500 करोड़ रुपये, उत्तर प्रदेश में करीब 600 करोड़ रुपये की अनुमानित बिक्री शामिल है। बाजारों में दिवाली से पहले धनतेरस की सकारात्मक शुरुआत हुई और खोई चमक वापस पाते हुए सोने के आभूषणों और सिक्कों की बिक्री कोविड-पूर्व के स्तर पर पहुंच गई। महामारी की घटती चिंताओं और मांग में तेजी के साथ उपभोक्ताओं की भीड़ सोने की खरीदारी के लिए दुकानों का रुख किया। धनतेरस पर देशभर में लगभग 75,00 करोड़ रुपये की बिक्री हुई। करीब 15 टन सोने के आभूषणों की बिक्री हुई।

कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने कहा कि ज्वैंलरी इंडस्ट्री महामारी की वजह से आयी मंदी से उबरा है। कैट ने बताया कि इसमें दिल्ली में 1,000 करोड़ रुपये, महाराष्ट्र में करीब 1,500 करोड़ रुपये, उत्तर प्रदेश में करीब 600 करोड़ रुपये की अनुमानित बिक्री शामिल है। दक्षिण भारत में, लगभग 2,000 करोड़ रुपये होने की बिक्री होने का अनुमान है।

हल्के सोने के उत्पादों की बिक्री में तेजी

दुकानों में और ऑनलाइन बिक्री तेज होने के साथ सोने की कीमतों के अगस्त के 57,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर की तुलना में अपेक्षाकृत नरम होने के साथ धनतेरस को खरीदारी में वृद्धि हुई, विशेष रूप से हल्के वाले सोने के उत्पादों की बिक्री में तेजी आयी है। हिंदू मान्यता के अनुसार धनतेरस को कीमती धातुओं से लेकर बर्तनों तक की खरीदारी के लिए सबसे शुभ दिन माना जाता है।

सोने की कीमत

सोने की कीमत को राष्ट्रीय राजधानी में 46,000-47,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (टैक्स को छोड़कर) के दायरे में थीं, जो इस साल अगस्त में 57,000 रुपये से अधिक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। हालांकि, सोने की दर अभी भी धनतेरस, 2020 के भाव 39,240 रुपये प्रति 10 ग्राम की तुलना में 17।5 प्रतिशत अधिक है।

अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण स्थानीय परिषद के चेयरमैन आशीष पेठे ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि बिक्री की मात्रा (पूर्व-कोविड स्तरों की तुलना में) बराबर होगी क्योंकि दरें 2019 से बढ़ी हैं। मूल्य के संदर्भ में, हम 2019 के स्तर से 20 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद करते हैं।

ग्राहकों की संख्या 40 फीसदी बढ़ी

आभूषणों की दुकानों में उपभोक्ताओं की बढ़ी हुई भीड़ देखी गयी जिससे ऑफलाइन खरीदारी के फिर से बढ़ने का पता चलता है। एक साल पहले की तुलना में दुकान जाकर खरीदारी करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (WGC) के क्षेत्रीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी (भारत) सोमसुंदरम पी आर ने कहा, दबी मांग, कीमतों में नरमी और अच्छे मानसून के साथ ही लॉकडाउन संबंधी प्रतिबंधों में राहत से मांग में जोरदार उछाल की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि यह तिमाही हाल के वर्षों में सबसे बेहतरीन तिमाही होगी।

दिल्ली की कंपनी पीसी ज्वेलर्स के प्रबंध निदेशक बलराम गर्ग ने कहा कि इस धनतेरस के दौरान मांग पिछले साल की तुलना में काफी बेहतर है। उन्होंने कहा, अब तक हमारे शोरूम में लोगों की भीड़ अच्छी थी। उपभोक्ता हल्के वजन के आभूषण खरीद रहे हैं। कोलकाता की कंपनी नेमीचंद बमालवा एंड संस के सह-संस्थापक बछराज बमालवा ने भी कहा कि उपभोक्ताओं ने पिछले दो वर्षों में महामारी के कारण खरीदारी नहीं की और अब स्थिति सामान्य होने के साथ लोग बाहर निकल रहे हैं तथा खरीदारी कर रहे हैं।

इंडियन एनर्जी एक्सचेंज में अक्टूबर में बिजली करोबार 36 प्रतिशत बढ़कर 916.5 करोड़ युनिट

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

वहीं दैनिक, आपात स्थिति, साप्ताहिक अनुबंधों वाले बाजार (टर्म अहेड मार्केट) में आलोच्य माह के दौरान 22.5 करोड़ यूनिट बिजली का कारोबार हुआ। बयान के अनुसार, बिजली की मांग को तुंरत पूरा करने वाले बाजार में 199.9 करोड़ यूनिट का कारोबार हुआ। यह सालाना आधार पर 145 प्रतिशत अधिक है। इसमें बिजली का औसत मासिक मूल्य 6.91 रुपये प्रति यूनिट रहा। विद्युत बाजार इंडियन एनर्जी एक्सचेंज में बिजली कारोबार इस साल अक्टूबर में 36 प्रतिशत बढ़कर 916.5 करोड़ यूनिट रहा। पिछले साल इसी महीने में यह 674.3 करोड़ यूनिट था। इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) ने एक बयान में कहा कि अगले दिन की आपूर्ति वाले सौदे से जुड़े बाजार (डे-अहेड मार्केट-डीएएम) में पिछले महीने बिजली कारोबार सालाना आधार पर 19.4 प्रतिशत बढ़कर 656.8 करोड़ यूनिट रहा। बाजार में औसत मासिक कीमत आठ रुपये प्रति यूनिट रही।

News यू केन USE

कोविड-19: केरल में कोरोना वायरस संक्रमण के 6,444 नए मामले

तिरुवनंतपुरम। एजेंसी

केरल में पिछले एक दिन में कोरोना वायरस के 6,444 नए मामले सामने आए जिसके बाद कुल मामले बढ़कर 49,80,398 हो गए। इसके साथ ही महामारी के कारण हुई 187 और मौतें दर्ज की गई। राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि कोविड-19 से अब तक 32,236 मरीजों की मौत हो चुकी है। विज्ञप्ति में कहा गया कि कोविड-19 से पीड़ित होने के बाद अब तक कुल 48,72,930 लोग ठीक हो चुके हैं और वर्तमान में 74,618 मरीज उपचाराधीन हैं। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार 187 मौत में से 45 पिछले कुछ दिन में हुई और 87 मौत वह हैं जिनकी उचित प्रलेखन के अभाव में पिछले साल 18 जून तक पुष्टि नहीं की जा सकी थी। इसके अलावा 55 मरीजों की मौत को उच्चतम न्यायालय और केंद्र सरकार पर आधारित अपील प्राप्त होने के बाद, कोविड से हुई मौत घोषित किया गया।

एचपीसीएल का शुद्ध लाभ दूसरी तिमाही में 22 प्रतिशत घटका 1,923.51 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली। एजेंसी

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (एचपीसीएल) का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2021-22 की जुलाई-सितंबर तिमाही में 22 प्रतिशत घटकर 1,923.51 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले 2020-21 की इसी तिमाही में उसे 2,477.45 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। एचपीसीएल की आय सितंबर, 2021 को समाप्त तिमाही में 87,310.62 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले 2020-21 की इसी तिमाही में 61,340.30 करोड़ रुपये थी। कंपनी की दो रिफाइनरियों ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 25.3 लाख टन कच्चे तेल को ईंधन में बदला जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 40.6 लाख टन था। हालांकि, कंपनी की घरेलू बिक्री आलोच्य तिमाही में बढ़कर 87.9 लाख टन रही, जो एक साल पहले 2020-21 की दूसरी तिमही में 81 लाख टन थी।

याहू ने 'चुनौतीपूर्ण' माहौल के बीच चीन से बाहर निकलने का फैसला किया

हांगकांग। एजेंसी

याहू इंक ने मंगलवार को कहा कि वह ''व्यापार और कानूनी माहौल के तेजी से चुनौतीपूर्ण'' होने के चलते चीन से बाहर निकलने की योजना बना रही है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसकी सेवाएं अब एक नवंबर से मुख्य भूमि चीन में उपलब्ध नहीं होंगी। बयान में कहा गया, ''याहू अपने उपयोगकर्ताओं के अधिकारों और एक स्वतंत्र तथा खुले इंटरनेट के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपने उपयोगकर्ताओं को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं।'' याहू हाल के हफ्तों में चीन में अपने परिचालन को घटाने वाली दूसरी बड़ी अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी है। पिछले महीने माइक्रोसॉफ्ट के पेशेवर नेटवर्किंग मंच लिंक्डइन ने कहा था कि वह अपनी चीनी साइट को बंद कर देगी और इसकी जगह एक जॉब बोर्ड लेगा।

पहली बार इंडस्ट्री लोन से आगे निकले पर्सनल लोन सितंबर आखिर तक इतने करोड़ रुपये का इजाफा

मुंबई। एजेंसी

बैंकों द्वारा दिए जाने वाले लोन में जुलाई-सितंबर 2021 के दौरान पर्सनल लोन (झ्रैदर्हेत थ्र्ंहे) की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा रही। यह पहली बार है, जब बैंक लोन में पर्सनल लोन की हिस्सेदारी उद्योग क्षेत्र को दिए गए समग्र ऋण से आगे निकल गई है। 30 सितंबर तक बैंकों की ओर से उद्योग क्षेत्र को दिए गए लोन का आंकड़ा मार्च 2021 के स्तर से 66,239 करोड़ रुपये घट गया। वहीं व्यक्तियों को दिए जाने वाला लोन 73,011 करोड़ रुपये बढ़ गया।

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर के आखिरी शुक्रवार को बैंकों का बकाया लोन 109.5 लाख करोड़ रुपये था। इसमें से उद्योग को दिए गए कर्ज का हिस्सा एक साल पहले के 27 फीसदी के स्तर से गिरकर 26 फीसदी (28.3 लाख करोड़ रुपये) रह गया। व्यक्तिगत ऋण, जो सितंबर 2020 में सभी बैंक ऋणों का एक चौथाई था,

सितंबर 2021 के अंत तक बढ़कर 27% (29.2 लाख करोड़ रुपये) हो गया।

इस वजह से इंडस्ट्री को दिए जाने वाले लोन में गिरावट

उद्योग खंड को दिए गए बैंक लोन में गिरावट मुख्य रूप से प्रमुख उद्योगों में कंपनियों के डिलेवरेजिंग के कारण थी। सितंबर को समाप्त छह महीनों में लोहा व इस्पात उद्योगों के ऋण में 39,249 करोड़ रुपये और रसायनों (जिसमें उर्वरक, दवाएं और पेट्रोकेमिकल शामिल हैं) के ऋण में 10,146 करोड़ रुपये की कमी आई है। जिन कुछ क्षेत्रों में ऋण में वृद्धि देखी गई, वे सड़कें, बंदरगाह और बिजली थे। हालांकि, यह भी इंफ्रास्ट्रक्चर खंड में सकारात्मक ऋण वृद्धि दिखाने के लिए पर्याप्त नहीं था। वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में बड़े उद्योग के लिए बकाया कुल ऋण 5ञ्र कम हो गया। इसने छोटे और मझोले व्यवसायों को ऋण बढ़ने के बावजूद औद्योगिक ऋण वृद्धि को 2.3% तक कम कर दिया।

ऑटो और गोल्ड लोन में 3000 करोड़ रुपये का इजाफा

पर्सनल सेगमेंट में, बैंकों ने पिछले छह महीनों में अपने पोर्टफोलियो में 20,096 करोड़ रुपये का होम लोन जोड़ा है। उन्होंने अपनी ऑटो लोन और गोल्ड लोन बुक में भी 3,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की। अन्य व्यक्तिगत ऋणों में 45,000 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। सितंबर 2021 को समाप्त छह महीनों में व्यक्तिगत ऋण खंड में बकाया कुल ऋण में 73,000 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। इसने व्यक्तिगत ऋण पोर्टफोलियो को 29.18 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया है।बैंकों ने फाइनेंस कंपनियों से छीनी बाजार हिस्सेदारी डेटा से यह संकेत मिलता है कि बैंकों ने ऋण बाजार में वित्त कंपनियों से बाजार हिस्सेदारी छीन ली है। आमतौर पर एनबीएफसी, बैंकों और ऋण बाजारों से उधार लेते हैं और फिर उधार देते हैं। एनबीएफसी को बैंक ऋण पिछले छह महीनों में 61,124 करोड़ रुपये कम हो गया। इसके परिणामस्वरूप ँइ्ण की ऋण हिस्सेदारी सितंबर 2021 के अंत तक गिरकर 8% (8.8 लाख करोड़ रुपये) रह गई, जो मार्च 2021 के अंत में 9% (9.4 लाख करोड़ रुपये) थी। इसके परिणामस्वरूप सेवा क्षेत्र को बकाया बैंक ऋण मिला है। मार्च 2021 से 3% की गिरावट।

ग्लोबल सीईओ बने मैसूर में जन्मे वेंकट, बार्कलेज बैंक के सीईओ बने

नई दिल्ली। एजेंसी

दुनिया के कारोबारी जगत में भारतीयों का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। बार्कलेज के सीईओ जेस स्टेले की जगह सी एस वेंकटकृष्णन बैंक के सीईओ बनने जा रहे हैं। बार्कलेज में सी एस वेंकटकृष्णन अब तक ग्लोबल मार्केट हेड थे। एडोब के शांतनु नारायण, बाटा के 126 साल के इतिहास में पहली बार संदीप कटारिया को ग्लोबल ण्ढ्ं बनाया गया है। अल्फाबेट के सुंदर पिचाई, माइक्रोसॉफ्ट के सत्या नाडेला, अजयपाल सिंह बग्गा मास्टरकार्ड के प्रेसिडेंट और सीईओ हैं, जबकि जयश्री उल्लाल अरिस्टा नेटवर्क्स की प्रेसिडेंट और सीईओ हैं। इसके साथ ही राजीव सूरी नोकिया के सीईओ हैं। वेंकट बार्कलेज बैंक पीएलसी के को प्रेसिडेंट पद पर कामकाज कर रहे थे, इसके साथ ही वेंकट बार्कलेज की एग्जीक्यूटिव कमेटी के सदस्य भी थे। वेंकट ने इससे पहले बार्कलेज के चीफ रिस्क ऑफिसर के रूप में भी काम किया है।

बैंक में बदलाव लाने को प्रतिबद्ध

बार्कलेज बैंक से पहले वेंकट साल 1994 से लेकर 2016 तक जेपी मॉर्गन चेज में कई वरिष्ठ पद पर कामकाज कर चुके हैं। एसेट मैनेजमेंट कारोबार में टॉप पोस्ट पर काम करने के बाद वे करीब 200 अरब डॉलर की संपत्ति को चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर के रूप में संभाल भी रहे थे। इसके साथ ही वे इन्वेस्टमेंट बैंकिंग और रिस्क जैसे मसले पर भी काम कर चुके हैं। वेंकट ने कहा है कि वे बार्कलेज में बदलाव के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस पर काम जारी रहेगा।

स्टेले को छोड़ना पड़ा पद

यूके के नियामकों द्वारा दिवंगत फाइनेंसर जेफरी एपस्टीन के साथ अपने संबंधों की जांच के बाद जेस स्टेले को यूके बैंक बार्कलेज के मुख्य कार्यकारी के रूप में पद छोड़ना पड़ रहा है। बैंक ने कहा कि उसे वित्तीय आचरण प्राधिकरण और प्रूडेंशियल द्वारा की गई जांच के प्रारंभिक निष्कर्ष के बारे में पता चल गया था। बैंक ने कहा कि उसका बोर्ड इस नतीजे से निराश है।

बार्कलेज ने रिकॉर्ड मुनाफा कमाया

स्टेले ने बार्कलेज को कई मुश्किल दौर से सफलतापूर्वक निकाल लिया था। बार्कलेज की निवेश रणनीति पर बड़ा दांव लगाने के उनके कई कदमों पर विवाद भी पैदा हुआ। बार्कलेज ने महामारी के शुरुआती चरणों में निवेश से रिकॉर्ड मुनाफा कमाया था। बार्कलेज ने संकेत दिया कि यह शीर्ष पद पर बदलाव के बावजूद अपने निवेश कारोबार पर मजबूती से ध्यान देता रहेगा।

कोल इंडिया ने डंपरों में एलपीजी किट लगाने की प्रक्रिया शूरू की

नयी दिल्ली। एजेंसी

कोयला मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि सरकार के स्वामित्व वाली कोल इंडिया लि. (सीआईएल) ने हाल ही में अपने डंपरों (बड़े ट्रकों) में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी(किट की रेट्रोफिटिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी है।इन डंपरों का इस्तेमाल कंपनी कोयले के परिवहन के लिए करती है और इस कदम का उद्देश्य सीआईएल का कार्बन 'फुटप्रिंट' यानी ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कम करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सीओपी-26 के दौरान घोषणा की थी कि भारत 2070 तक अपने शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य तक पहुंच जाएगा। उन्होंने देश की जलवायु कार्ययोजना का खाका पेश करते हुए यह घोषणा की। इसके मद्देनजर सीआईएल का बयान महत्व रखता है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, 'कार्बन उत्सर्जन और कम करने के लिए कोयला मंत्रालय के तहत आने वाली कोल इंडिया लिमिटेड ने हाल ही में अपने डंपरों में एलएनजी किट की रेट्रोफिटिंग की प्रक्रिया शुरू की है।' दुनिया की सबसे बड़ी कोयला खनन कंपनी सीआईएल सालाना चार लाख किलोलीटर डीजल का इस्तेमाल करती है, जिस पर 3,500 करोड़ रुपये से ज्यादा का खर्च आता है।

दिवाली से पहले रसोई गैस के ग्राहकों को मिली बड़ी सौगात, लॉन्च हुआ पारदर्शी सिलेंडर, दिखता रहेगा गैस का लेवल!

नई दिल्ली। एजेंसी

दिवाली से पहले यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कंपोजिट सिलेंडर लॉन्च किया है। उन्होंने इस कंपोजिट सिलेंडर को लेकर इंडियन ऑयल को बधाई दी और कहा कि इससे जनता को एक नया विकल्प मिलेगा। इस सिलेंडर की सबसे अच्छी बात ये है कि यह पारदर्शी है। यह शीशे की तरह पूरा पारदर्शी तो नहीं है, लेकिन अगर लाइट से इसे देखा जाए तो आप आसानी से गैस का लेवल पता कर सकते हैं। इसकी सतह फाइबर से बनी है, जो गैस का लेवल चेक करने में मदद करती है।

सीएम योगी को भेंट किया गया पहला सिलेंडर

अगर आप यूपी के करें तो लखनऊ के लोगों को यह सिलेंडर उपलब्ध हो चुका है। वहीं गोरखपुर, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी के लोगों को पारदर्शी फाइबर वाला ये सिलेंडर जल्द ही मिलना शुरू हो जाएगा। इस मौके पर इंडियन ऑयल के कार्यकारी निदेशक और राज्य प्रमुख डॉ. उत्तीय भट्टाचार्य ने पहला 10 किलो का कंपोजिट गैस सिलेंडर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट किया।

अचानक गैस खत्म होने की समस्या से मिलेगी निजात

यह सिलेंडर फाइबर से बना होने की वजह से स्टील के सिलेंडर की तुलना में काफी हल्का है। इसका वजह स्टील वाले सिलेंडर से करीब 50 फीसदी तक कम है। यह कहीं लाने ले जाने में सुविधाजनक होने के साथ-साथ जंगरोधक है। अक्सर घरों में इस बात की दिक्कत देखने को मिली है कि पता ही नहीं चलता और अचानक से गैस सिलेंडर खत्म हो जाता है। इस फाइबर से बने पारदर्शी सिलेंडर में गैस का लेवल देखा जा सकेगा। ऐसे में समय रहते गैस रिफिल का ऑर्डर दिया जा सकता है और गैस अचानक खत्म होने की समस्या से भी निजात मिलेगी।

दिवाली से पहले इकॉनमी के मोर्चे पर अच्छी खबर अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन 24 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

दिवाली से पहले इकॉनमी के मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन 1,30,127 करोड़ रुपये रहा। यह किसी एक महीने में जीएसटी का अब तक का दूसरा सबसे अधिक कलेक्शन है। यह पिछले साल अक्टूबर की तुलना में 24 फीसदी और 2019-20 की तुलना में 36 फीसदी अधिक है। इसमें 23,861 करोड़ रुपये सीजीएसटी , 30,421 करोड़ रुपये एसजीएसटी , 67,361 करोड़ रुपये (माल के आयात पर प्राप्त 32,998 करोड़ रुपये सहित) और 8,484 करोड़ रुपये का सेस (माल के आयात पर प्राप्त 699 करोड़ रुपये सहित) शामिल है।

जीएसटी के लागू होने के बाद यह किसी महीने में दूसरा सबसे अधिक कलेक्शन है। इस साल अप्रैल में यह 1.4 लाख करोड़ रुपये रहा था।

अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन इकॉनमिक रिकवरी के ट्रेंड्स के मुताबिक है। इससे पहले सितंबर में जीएसटी संग्रह 1,17,010 करोड़ रुपये रहा था। अगस्?त में उएऊ कलेक्शन 1,12,020 करोड़ रुपये और जुलाई में 1.16 लाख करोड़ रुपये रहा था। जून, 2021 में जीएसटी संग्रह एक लाख करोड़ रुपये से कम यानी 92,849 करोड़ रुपये रहा था। मई में यह 98,000 करोड़ रुपये और इस वित्त वर्ष के पहले महीने यानी अप्रैल में जीएसटी संग्रह 1.41 लाख करोड़ रुपये रहा था।

विनिर्माण गतिविधियों में तेजी

इस बीच मांग में तेजी के साथ ही कंपनियों के उत्पादन बढ़ाने और सुधार की उम्मीद में कच्चे माल की खरीदारी तेज करने के चलते भारत में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में अक्टूबर में और मजबूती आई। एक मासिक सर्वेक्षण में सोमवार को यह जानकारी दी गई। सर्वेक्षण में कहा गया कि अक्टूबर में उत्पादन और नए ऑर्डर सात महीनों में सर्वाधिक तेजी से बढ़े, जबकि व्यापार आशावाद छह महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया।

मौसमी रूप से समायोजित आईएचएस मार्किट इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) सितंबर के 53.7 से बढ़कर अक्टूबर में 55.9 हो गया। सूचकांक फरवरी के बाद से सबसे मजबूत सुधार की ओर इशारा करता है। पीएमआई की भाषा में 50 से अधिक अंक विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन की ओर इशारा करता है। आईएचएस मार्किट में अर्थशास्त्र की संयुक्त निदेशक पोल्याना डी लीमा ने कहा, 'भारत में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि लगातार बढ़ रही है। अक्टूबर के आंकड़ों में नए ऑर्डर, उत्पादन और कच्चे माल की खरीद में तेजी से बढ़ोतरी हुई।'

भारत की पेट्रोलियम मांग 2040 से पहले चरम पर पहुंचने की संभावना नहीं

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

देश में 2040 से पहले पेट्रोलियम उत्पादों की मांग चरम पर पहुंचने की संभावना नहीं है और ऊर्जा के अन्य रूप धीरे-धीरे देश के विविध ऊर्जा स्रातों में जगह पाएंगे। सार्वजनिक क्षेत्र की हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (एचपीसीएल) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक एम के सुराना ने मंगलवार को यह कहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को जलवायु सम्मेलन (सीओपी-26) में भारत के वर्ष 2070 तक शुद्ध रूप से शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करने का साहसिक संकल्प जताया।

सुराना ने कहा कि पेट्रोलियम कंपनियां बिजली वाहन चार्जिंग स्टेशन, जैव ईंधन और हाइड्रोजन संयंत्र स्थापित करने जैसे वैकल्पिक और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों में सोच-विचारकर ही निवेश कर रही हैं। ये निवेश शुद्ध-शून्य उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने की दिशा में हैं। लेकिन दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक और उपभोक्ता देश को अगले दो दशकों तक लगातार तेल पर निर्भर रहना होगा।

उन्होंने कहा, ''वर्ष 2070 तक शुद्ध रूप से शून्य उत्सर्जन लक्ष्य के लिये हमें ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों के उपयोग की जरूरत है... लेकिन मौजूदा आकलन के आधार पर तेल की मांग 2040 से पहले चरम पर नहीं पहुंचेगी। ऊर्जा के अन्य रूप धीरे-धीरे देश के विविध ऊर्जा स्रातों में जगह पाएंगे।'' ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिये देश की तेल पर निर्भरता बनी रहेगी। क्योंकि सड़क, रेल, हवाई और समुद्री परिवहन में ईंधन के रूप में तेल का ही उपयोग होता है। अर्थव्यवस्था में वृद्धि के साथ इसकी जरूरत बढ़ रही है। सुराना ने कहा कि तेल कंपनियां रिफाइनरियों और अन्य प्रतिष्ठानों में बिजली की जरूरतों को पूरा करने के लिए सौर ऊर्जा से उत्पन्न हरित ऊर्जा का उपयोग करने के लिए कदम उठा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग पेट्रोल और डीजल के उत्पादन में किया जाएगा और यह वाहन ईंधन की मांग को कम नहीं करता है। इसी तरह, हाइड्रोजन का उपयोग पेट्रोल और डीजल के उत्पादन के लिए किया जाएगा।

एसबीआई का दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 69 प्रतिशत बढ़कर 8,890 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 69 प्रतिशत बढ़कर 8,889.84 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने 5,245.88 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा कि तिमाही के दौरान एसबीआई समूह की कुल आय बढ़कर 1,01,143.26 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो एक साल पहले समान तिमाही में 95,373.50 करोड़ रुपये थी। एकल आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ तिमाही के दौरान 67 प्रतिशत के उछाल के साथ 6,504 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 4,574.16 करोड़ रुपये था। एकल आधार पर बैंक की कुल आय बढ़कर 77,689.09 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले समान तिमाही में 75,341.80 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की संपत्ति की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ। बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) कुल ऋण पर घटकर 4.90 प्रतिशत रह गईं, जो एक साल पहले समान अवधि में 5.28 प्रतिशत थीं। इसी तरह बैंक का शुद्ध एनपीए भी 1.59 प्रतिशत से घटकर 1.52 प्रतिशत रह गया।

कोयला अगले पांच दशक तक भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करता रहेगाः विशेषज्ञ

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारत इस समय अपनी कुल बिजली जरूरतों में से 70 प्रतिशत के लिये कोयले पर निर्भर है और 2030 तक 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण होगा। ऐसे में कोयला अगले पांच दशक तक भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करता रहेगा। उद्योग विशेषज्ञों ने यह कहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सोमवार को की गयी घोषणा के बाद विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। उन्होंने जलवायु सम्मेलन (सीओपी-26 में कहा कि भारत वर्ष 2070 तक शुद्ध रूप से शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करेगा। डेलॉयट टच तोहमात्सु में भागीदार देबाशीष मिश्रा ने कहा, ''कोयला अगले पांच दशकों तक भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना जारी रखेगा और 2040 के दशक में यह चरम पर होगा। इसलिए हमें कोयला खदानों और बुनियादी ढांचे में निवेश जारी रखने की जरूरत है। अन्यथा हमें इस साल अक्टूबर में जिस तरीके से ईंधन संकट का सामना करना पड़ा है, उसी प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।'' उन्होंने कहा कि केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के अनुमान के अनुसार, वर्ष 2030 तक भारत की कोयला आधारित बिजली घरों की क्षमता मौजूदा 2,10,000 मेगावॉट से बढ़कर 2,67,000 मेगावॉट पहुंच जाने का अनुमान है। साथ ही पुरानी क्षमताओं को हटाया भी जाएगा। इसीलिए, ऐसी कोई स्थिति नहीं है, जिससे तापीय कोयला क्षमता जलवायु सम्मेलन में जतायी गयी प्रतिबद्धता की वजह से अटकेगी। कोल इंडिया के पूर्व चेयरमैन पार्थ सारथी भट्टाचार्य ने कहा कि कोयला अभी बना रहेगा और शुरू में वास्तव में मात्रा बढ़ानी होगी। उन्होंने कहा, ''हिस्सेदारी घटेगी लेकिन मात्रा और क्षमता के हिसाब से यह मौजूदा स्तर से संभवतः बढ़ेगी।''

News यू केन USE

एंड्रायड उपकरणों पर मोबाइल गेम्स शुरू करेगी नेटफ्लिक्स

नयी दिल्ली। एजेंसी

नेटफ्लिक्स एंड्रायड उपकरणों के लिए अपने मंच पर मोबाइल गेम्स शुरू करने जा रही है। कंपनी वैश्विक स्तर पर पांच मोबाइल गेम्स... स्ट्रेंजर थिंग्सः 1984 (बोनस एक्सपी), स्ट्रेंजर थिंग्स 3 : द गेम (बोनस एक्सपी), शूटिंग हूप्स (फ्रॉस्टी पांप), कार्ड ब्लास्ट (एमुजो एंड रॉग गेम्स) और टीटर अप (फ्रॉस्टी पॉप) के साथ शुरुआत करने जा रही है। कंटेंट स्ट्रीमिंग खंड में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच कंपनी यह कदम उठा रही है। नेटफ्लिक्स ने ब्लॉगपोस्ट में कहा, ''हम दुनिया के लिए मोबाइल पर नेटफ्लिक्स गेम्स की शुरुआत से काफी रोमांचित हैं। आज से हमारे सदस्य कहीं से भी पांच मोबाइल गेम्स खेल सकेंगे। हम गेम्स की 'लाइब्रेरी' बनाना चाहते हैं जिसमें सभी के लिए कुछ हो।'' कंपनी ने कहा कि ग्राहकों को गेम्स के लिए नेटफ्लिक्स की सेवाएं लेने होंगी। इनमें कोई विज्ञापन, कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं होगा।

फास्टैग के जरिये टोल संग्रह अक्टूबर में 3,356 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड पर

नयी दिल्ली। एजेंसी

फास्टैग के जरिये टोल संग्रह अक्टूबर में 21.42 करोड़ लेनदेन में रिकॉर्ड 3,356 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन आंकड़ों से पता चलता है कि विशेषरूप से त्योहारों के दौरान आर्थिक और परिवहन से जुड़ी गतिविधियों में सुधार हुआ है। सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। सितंबर में फास्टैग संग्रह 19.36 करोड़ लेनदेन में 3,000 करोड़ रुपये रहा था। वहीं अगस्त में यह 20.12 करोड़ लेनदेन में 3,076.56 करोड़ रुपये रहा था। इसके अलावा शनिवार को फास्टैग के जरिये टोल संग्रह 122.81 करोड़ रुपये के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। सरकार ने 15 फरवरी को मध्यरात्रि से फास्टैग को अनिवार्य कर दिया था। उसके बाद से राष्ट्रीय राजमार्गों और सड़क राजमार्गों के सभी टोल प्लाजा पर टोल फास्टैग के जरिये काटा जा रहा है।

रेलवे की माल ढुलाई अक्टबर में 7.63 प्रतिशत बढ़कर 11.73 करोड़ टन

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

रेलवे ने सोमवार को कहा कि अक्टूबर में उसकी माल ढुलाई पिछले साल की ढुलाई और कमाई से अधिक रही है। रेलवे की माल ढुलाई अक्टूबर में 7.63 प्रतिशत बढ़कर 11.73 करोड़ टन रही। पिछले साल इसी महीने में माल ढुलाई 10.90 करोड़ टन थी। बयान के अनुसार भारतीय रेलवे ने आलोच्य महीने में माल ढुलाई से 12,311.46 करोड़ रुपये की कमाई की। यह पिछले साल अक्टूबर महीने में 10,416.6 करोड़ रुपये की आय के मुकाबले 18.19 प्रतिशत अधिक है। रेलवे की अक्टूबर महीने में 11.73 करोड़ टन माल ढुलाई में कोयला (5.46 करोड़ टन), लौह अयस्क (1.28 करोड़ टन), अनाज (63 लाख टन), उर्वरक (41.8 लाख टन), खनिज तेल (39.7 लाख टन) और सीमेंट (क्लिंकर को छोड़कर) (73.7 लाख टन) शामिल हैं। बयान के अनुसार रेलवे माल ढुलाई के लिये कई रियायतें दे रही है। इससे रेलवे के जरिये माल भेजना आकर्षक हुआ है।

दीपावली समृद्धि ही नहीं, शांति का पर्व

ललित गर्ग
वरिष्ठ लेखक

भारतभूमि का सबसे बड़ा पर्व है दीपावली। गत दो वर्षों में हमने कोरोना महामारी के कारण यह पर्व यथोचित तरीके से नहीं मना पाये, इसलिये इस वर्ष का दीपावली पर्व अनेक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इस वर्ष दीपावली के महानायक श्रीराम का मन्दिर अयोध्या में बनने लगा है, इसलिये भी महत्वपूर्ण है। अयोध्या में तो दीपावली के अनूठे रंग दिखेंगे ही, देश में भी उत्साह एवं उत्सव की अनेक कड़ियां जुड़ेंगी, जिनमें इंसानी मेलजोल के नये आयाम होंगे, तम को, दरिद्रता को, महंगाई को, अराष्ट्रीयता को, महामारी को दूर करने की मिलीजुली कोशिश होगी। तम को जीवन के हर होने से बुहारा जायेगा। जैसे लक्ष्मी पूजन कर ऐश्वर्य की कामना की जायेगी, वैसे ही मनो-मालिन्य एवं कलुषताओं को मिटाने के प्रयत्न होंगे। दीपावली आत्मा को मांजने एवं उसे उजला करने का उत्सव है। अमावस की रात को हर दीप रोशनी की लहर बनाता है, उजाले की नदी में अपना योगदान देता है। दीपोत्सव के लिये हर अंजुरी महत्वपूर्ण है। हमें चीन-निर्मित कृत्रिम प्रकाश-बल्बों की बजाय एक बाती, अंजुरी-भर तेल और राह-भर प्रकाश करना है। दीपक जिस ज्वलंत शिखा को उठाये जागृत होते हैं, वह महज समृद्धि की कामना या विजयोत्सव का ही प्रतीक नहीं है, बल्कि वह भारतीय संस्कृति एवं उसकी जीवंतता का उद्घोष है। यह एक कालजयी ऐलान है विजय का, स्व-पहचान का, स्व-संस्कृति का एवं अपनी जड़ों से जुड़ने का, आत्म-साक्षात्कार का। आत्मा का स्वभाव है उत्सव। प्राचीन काल में साधु-संत हर उत्सव में पवित्रता का समावेश कर देते थे ताकि विभिन्न क्रिया-कलापों की

भाग-दौड़ में हम अपनी एकाग्रता या फोकस न खो दें। रीति-रिवाज एवं धार्मिक अनुष्ठान (पूजा-पाठ) ईश्वर के प्रति कृतज्ञता या आभार का प्रतीक ही तो हैं। ये हमारे उत्सव में गहराई लाते हैं। दीपावली में परंपरा है कि हमने जितनी भी धन-संपदा कमाई है उसे अपने सामने रख कर प्रचुरता (तृप्ति) का अनुभव करें। जब हम अभाव का अनुभव करते हैं तो अभाव बढ़ता है, परन्तु जब हम अपना ध्यान प्रचुरता पर रखते हैं तो प्रचुरता बढ़ती है। चाणक्य ने अर्थशास्त्र में कहा है, धर्मस्य मूलं अर्थः अर्थात सम्पन्नता धर्म का आधार होती है। जिन लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान नहीं है, उनके लिए दीपावली वर्ष में केवल एक बार आती है, परन्तु ज्ञानियों के लिए हर दिन और हर क्षण दीपावली है। हर जगह ज्ञान की आवश्यकता होती है। यहाँ तक कि यदि हमारे परिवार का एक भी सदस्य दुःख के तिमिर में डूबा हो तो हम प्रसन्न नहीं रह सकते। हमें अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य के जीवन में, और फिर इसके आगे समाज के हर सदस्य के जीवन में, और फिर इस पृथ्वी के हर व्यक्ति के जीवन में, ज्ञान का प्रकाश फैलाने की आवश्यकता है। जब सच्चे ज्ञान का उदय होता है, तो उत्सव को और भी बल मिलता है।

यजुर्वेद में कहा गया है-तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु- हमारे इस मन से सद् इच्छा प्रकट हो। वह दीपावली ज्ञान के साथ मनाएँ और मानवता की सेवा करने का संकल्प लें। अपने हृदय में प्रेम का एवं घर में प्रचुरता-तृप्ति का दीपक जलाएं। इसी प्रकार दूसरों की सेवा के लिए करुणा का एवं अज्ञानता को दूर करने के लिए ज्ञान का और ईश्वर द्वारा हमें प्रदत्त उस प्रचुरता के लिए कृतज्ञता का दीपक जलाएं। यह बात सच है कि मनुष्य का रूझान हमेशा प्रकाश की ओर रहा है। अंधकार को उसने कभी न चाहा न कभी माँगा। 'तमसो मा ज्योतिगर्मय' भक्त की अंतर भावना अथवा प्रार्थना का यह स्वर भी इसका पुष्ट प्रमाण है। अंधकार से प्रकाश की ओर ले चल इस प्रशस्त कामना की पूर्णता हेतु मनुष्य ने खोज शुरू की। उसने सोचा कि वह कौन-सा दीप है जो मंजिल तक जाने वाले पथ को आलोकित कर सकता है। अंधकार से घिरा हुआ आदमी दिशाहीन होकर चाहे जितनी गति करें, सार्थक नहीं हुआ करती। आचरण से पहले ज्ञान को, चारित्र पालन से पूर्व सम्यक्त्व को आवश्यक माना है। ज्ञान जीवन में प्रकाश करने वाला होता है। शास्त्र में भी कहा गया-'नाणं पयासयरं' अर्थात ज्ञान प्रकाशकर है। इसलिये सूनी राह पर, अकेले द्वार पर, कुएं की तन्हा मेड़ पर और उजाड़ तक में दीप रखने चाहिए। कोई भूले-भटके भी कहीं किसी राह पर निकले, तो उसे अंधेरा न मिले। इस रात हरेक के लिये उजाला जुटा दे, ताकि कोई भेदभाव न रहे, कोई ऊंच-नीच न रहे, अमीरी-गरीबी का भेद मिट जाये।

हमारे भीतर अज्ञान का तमस छाया हुआ है। वह ज्ञान के प्रकाश से ही मिट सकता है। ज्ञान दुनिया का सबसे बड़ा प्रकाश दीप है। जब ज्ञान का दीप जलता है तब भीतर और बाहर दोनों आलोकित हो जाते हैं। अंधकार का साम्राज्य स्वतः समाप्त हो जाता है। ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता केवल भीतर के अंधकार मोह-मूर्च्छा को मिटाने के लिए ही नहीं, अपितु लोभ और आसक्ति के परिणामस्वरूप खड़ी हुई पर्यावरण प्रदूषण, राजनीतिक प्रदूषण, भ्रटाचार और अनैतिकता जैसी बाहरी समस्याओं को सुलझाने के लिए भी जरूरी है। आज विज्ञान का युग है। सारी मानवता विनाश के कगार पर खड़ी है। मनुष्य के सामने अस्तित्व और अनस्तित्व का प्रश्न बना हुआ है। विश्वभर मे हत्या, लूटपाट, दिखावा, छल-फरेब, बेईमानी, युद्ध एवं आतंकवाद का प्रसार है। मानव-जाति अंधकार में घिरती जा रही है। विवेकी विद्वान उसे बचाने के प्रयास में लगे भी हैं। सत्य, दया, क्षमा, कृपा, परोपकार आदि के भावों का मूल्य पहचाना जा रहा है। ऐसी स्थिति में उपनिषद का 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' वाक्य उनका मार्गदर्शन करने वाला महावाक्य है। उस ज्योति की गंभीरता सामान्य ज्योति से बढ़कर ब्रह्म तक पहुँचनी चाहिए। उस ब्रह्म से ही सारे प्राणी पैदा होते हैं, उसमें ही रहते हैं और मरने के बाद उसमें ही प्रवेश कर जाते हैं। उस दिव्य ज्योति की अभिवंदना सचमुच समय से पहले, समय के साथ जीने की तैयारी का दूसरा नाम है।

जीवन के ह्रस और विकास के संवादी सूत्र हैं- अंधकार और प्रकाश। अंधकार स्वभाव नहीं, विभाव है। वह प्रतीक है हमारी वैयक्तिक दुर्बलताओं का, अपाहिज सपनों और संकल्पों का। निराश, निष्क्रिय, निरुद्देश्य जीवन शैली का। स्वीकृत अर्थशून्य सोच का। जीवन मूल्यों के प्रति टूटती निष्ठा का। विधायक चिन्तन, कर्म और आचरण के अभाव का। अब तक उजालों ने ही मनुष्य को अंधेरों से मुक्ति दी है, इन्हीं उजालों के बल पर उसने ज्ञान को अनुभूत किया अर्थात सिद्धांत को व्यावहारिक जीवन में उतारा। यही कारण है कि उसका वजूद आजतक नहीं मिटा। उसकी दृष्टि में गुण कोरा ज्ञान नहीं है, गुण कोरा आचरण नहीं है, दोनों का समन्वय है। जिसकी कथनी और करनी में अंतर नहीं होता, वही समाज में आदर के योग्य बनता है। हम उजालों की वास्तविक पहचान करें, अपने आप को टटोलें, अपने भीतर के काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर आदि कषायों को दूर करें और उसी मार्ग पर चलें जो मानवता का मार्ग है। हमें समझ लेना चाहिए कि मनुष्य जीवन बहुत दुर्लभ है, वह बार-बार नहीं मिलता। समाज उसी को पूजता है जो अपने लिए नहीं दूसरों के लिए जीता है। इसी से गोस्वामी तुलसीदासजी ने कहा है-'परहित सरिस धरम नहीं भाई'। स्मरण रहे कि यही उजालों को नमन है और यही उजाला हमारी जीवन की सार्थकता है। जो सच है, जो सही है उसे सिर्फ आंख मूंदकर मान नहीं लेना चाहिए। खुली आंखों से देखना परखना भी चाहिए। प्रमाद टूटता है तब व्यक्ति में प्रतिरोधात्मक शक्ति जागती है। वह बुराइयों को विराम देता है। इस पर्व के साथ जुड़े मर्यादा पुरुषोत्तम राम, भगवान महावीर, दयानंद सरस्वती, आचार्य तुलसी आदि महापुरुषों की आज्ञा का पालन करके ही दीपावली पर्व का वास्तविक लाभ और लुफ्त उठा सकते हैं।

इस वर्ष दीपावली का पर्व मनाते हुए हम अधिक प्रसन्न एवं उत्साहित है, क्योंकि सदियों बाद हमारे आराध्य भगवान श्रीराम का मन्दिर अयोध्या में बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से इस वर्ष दीपावली का पर्व वास्तविक एवं सार्थक होने जा रहा है। हर हिन्दू एवं आस्थाशील व्यक्ति श्रीराम के अखंड ज्योति प्रकट करने वाले संदेश को अपने भीतर स्थापित करने का प्रयास करें, तो संपूर्ण विश्व में, निरोगिता, अमन, अयुद्ध, शांति, सुशासन और मैत्री की स्थापना करने में कोई कठिनाई नहीं हो सकेगी तथा सर्वत्र खुशहाली देखी जा सकेगी और वैयक्तिक जीवन को प्रसन्नता और आनंद के साथ बीताया जा सकेगा।

धनतेरस से भाईदूज तक दिवाली के ये पांच दिन इस तरह होते हैं सेलिब्रेट

हिंदुओं का महापर्व माना जाता है. ऐसा इस वजह से है क्योंकि ये त्यौहार पांच दिन तक चलता है. इसकी शुरुआत धनतेरस से होती है. इस साल 2 नवंबर को धनतेरस मनाई जाएगी. इसके अगले दिन नरक चतुर्दशी और 4 नवंबर को दिवाली महापर्व मनाया जाएगा. इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा भी की जाएगी. दिवाली के अगले दिन 5 नवंबर को गोवर्धन पूजा और 6 नवंबर को भाई दूज सेलिब्रेट की जाएगी. दिवाली के पांच दिन चलने वाले इस त्यौहार में हर दिन ईश्वर के अलग रूप की आराधना की जाती है. साथ ही हर दिन से जुड़ी एक अलग पौराणिक कहानी और अलग परंपरा है. इसी परंपरा के तहत इन 5 दिनों में इस त्यौहार को सेलिब्रेट किया जाता है. यह त्यौहार हमारे जीवन में अंधकार को मिटाकर प्रकाश लाने का संदेश देता है. दिवाली महापर्व की इस साल 2 नवंबर को धनतेरस के दिन से शुरुआत होने जा रही है. पांच दिन चलने वाले दीपावली महापर्व को लेकर घरों में कई दिनों पहले से तैयारियां शुरू कर दी जाती हैं. यह त्यौहार हमारे जीवन में अंधकार मिटाकर प्रकाश की ओर चलने का संदेश देता है. दिवाली त्यौहार को मनाने को लेकर प्रचलित पौराणिक कथा के अनुसार जब भगवान श्रीराम लंका विजय कर अयोध्या लौटे थे तो उनके आगमन की खुशी में अयोध्या नगरी के हर घर को दीपों से सजाया गया था. तब से ही हर साल दिवाली मनाने की परंपरा चली आ रही है. धनतेरस के अगले दिन नरक चतुर्दशी मनाई जाती है. इसके अगले दिन दिवाली सेलिब्रेशन होता है. दिवाली के अगले दिन गोवर्धन पूजा और उसके अगले दिन भैया दूज से दिवाली महापर्व का समापन होता है. इस साल 2 नवंबर को धनतेरस मनाई जाएगी. इसके अगले दिन नरक चतुर्दशी और 4 नवंबर को दिवाली महापर्व मनाया जाएगा. इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा भी की जाएगी. दिवाली के अगले दिन 5 नवंबर को गोवर्धन पूजा और 6 नवंबर को भाई दूज सेलिब्रेट की जाएगी.

धनतेरस

पांच दिन चलने वाले दीपोत्सव पर्व की शुरुआत धनतेरस से होती है. इस दिन भगवान धन्वंतरि, मां महालक्ष्मी, यमराज और धन के देवता कुबेर की पूजा की जाती है. इस दिन सोना-चांदी, घर के लिए नए बर्तन या अन्य कोई नया सामान खरीदने की परंपरा है.

नरक चतुर्दशी

धनतेरस के अगले दिन नर्क चतुर्दशी सेलिब्रेट की जाती है जिसे छोटी दिवाली भी जाना जाता है. इस दिन घर के साथ खुद के तन की सुंदरता भी निखारी जाती है. इसी वजह से इस दिन को रूप चौदस भी कहा जाता है. इस दिन दिवाली की तरह की घरों के बाहर दीप प्रज्जवलित किए जाते हैं. मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने सोलह हजार एक सौ कन्याओं को नरकासुर के बंदीगृह से मुक्त करवाकर उसका वध किया था. तब भगवान के स्वागत में उस दिन दीपक जलाये गए थे. इसी वजह से इस दिन घर में और मुख्य द्वार पर दीपक जलाये जाते हैं.

दिवाली

इस त्यौहार का तीसरा और मुख्य दिन दिवाली का है. माना जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान धन, वैभव, ऐश्वर्य और सुख-समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी भी कार्तिक माह की अमावस्या को प्रकट हुई थीं. इसी वजह से दिवाली के दिन मां लक्ष्मी का स्वागत और उनके पूजन की परंपरा है. इस दिन घरों को सजाया जाता है और दीप जलाकर अंधकार को मिटाया जाता है. यह भी मान्यता है कि रावण का वध कर चौदह वर्षों के वनवास के बाद इसी दिन भगवान राम अयोध्या लौटे थे. तब उनका स्वागत घर-घर दीप जला कर किया गया था.

गोवर्धन पूजा

दिवाली के अगले दिन गोवर्धन पूजा की जाती है. यह दिन अन्नकूट, पड़वा और प्रतिपदा भी कहलाता है. इस दिन घर में गोबर से गोवर्धन बनाए जाते हैं. इसके बाद 51 सब्ज़ियों को मिलाकर अन्नकूट बनाकर भोग लगाया जाता है और गोवर्धन पूजा की जाती है. भगवान श्री कृष्ण को गोवर्धन कहा जाता है.

भाई दूज

इस त्यौहार का पांचवां दिन भाई दूज होता है. इसके साथ ही पांच दिन चलने वाले इस महापर्व का समापन होता है.इस दिन को यम द्वितीया भी कहा जाता हैं. इस दिन भाई अपनी बहन के घर जाते हैं और उनसे माथे पर तिलक करवाते हैं. साथ ही इस दिन बहन के हाथ का बना खाना खाने की परंपरा भी है.

दिवाली-छठ पर 7 रुपए तक सस्ता हुआ खाने का तेल

अडानी-रामदेव की कंपनी ने भी दी राहत

नई दिल्ली। एजेंसी

दीपावली-छठ के मौके पर उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए प्रमुख खाद्य तेल कंपनियों ने बड़ा कदम उठाया है। इन कंपनियों ने खाद्य तेल की कीमतों में 4 से 7 रुपये प्रति लीटर तक की कटौती की है। इनमें गौतम अडानी की अडानी विल्मर और योग गुरु रामदेव की रुचि सोया इंडस्ट्रीज भी शामिल हैं।

इन कंपनियों ने भी की कटौतीः उद्योग निकाय सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) के मुताबिक जेमिनी एडिबल्स एंड फैट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (हैदराबाद), मोदी नैचुरल्स (दिल्ली), गोकुल रिफॉइल्स एंड सॉल्वेंट लिमिटेड (सिद्धपुर), विजय सॉल्वेक्स लिमिटेड (अलवर) गोकुल एग्रो रिसोर्सेज लिमिटेड और एनके प्रोटींस प्राइवेट लिमिटेड (अहमदाबाद) खाद्य तेलों की थोक दरों में कमी करने वाली अन्य कंपनियां हैं।

की गई थी अपीलः एसईए द्वारा अपने सदस्यों से त्योहारों के दौरान उपभोक्ताओं को राहत देने की अपील की गई थी। इसी के बाद कंपनियों ने दाम घटाए हैं। एसईए के अध्यक्ष अतुल चतुर्वेदी ने एक बयान में कहा, ''उद्योग से प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक है।'' एसईए ने कहा कि वे पहले ही थोक थोक कीमतों में 4,000-7,000 रुपये प्रति टन (4-7 रुपये प्रति लीटर) की कमी कर चुके हैं और बाकी कंपनियां भी खाद्य तेल की कीमतों में कमी करने जा रही हैं। चतुर्वेदी ने कहा कि इस साल घरेलू सोयाबीन और मूंगफली की फसल में तेजी आ रही है, जबकि सरसों की बुवाई की शुरुआती रिपोर्ट बहुत उत्साहजनक है और भरपूर रैपसीड फसल होने की उम्मीद है।

आगे भी आएगी कमी

इसके अलावा विश्व खाद्य तेल आपूर्ति की स्थिति में सुधार हो रहा है जिससे अंतरराष्ट्रीय कीमतों में और गिरावट आने की संभावना है। इससे आगामी शादियों के सीजन में घरेलू कीमतों में और कमी आ सकती है। बता दें कि घरेलू खाद्य तेल की कीमतों में अंतरराष्ट्रीय बाजार के साथ तालमेल में वृद्धि हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार- इंडोनेशिया, ब्राजील और अन्य देशों में जैव ईंधन के लिए तिलहन का उपयोग बढ़ने के बाद खानपान के उपयोग के लिए खाद्य तेलों की उपलब्धता कम होने के कारण इन तेलों की कीमतों में वृद्धि हुई है। भारत अपनी 60 प्रतिशत से अधिक खाद्य तेलों की आवश्यकता को आयात के माध्यम से पूरा करता है। वैश्विक कीमतों में किसी भी वृद्धि का स्थानीय कीमतों पर सीधा प्रभाव पड़ता है। बता दें कि कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में आयात शुल्क में भारी कमी सहित कई अन्य उपाय किए थे, जिसके बारे में एसईए ने कहा कि इससे कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिली है।

एक दिन में 3.38 लाख हवाई यात्रियों ने भरी उड़ान, मार्च 2020 के बाद पहली बार इस मार्क पर

मुंबई। एजेंसी

दशहरा और दिवाली इस साल एक ही महीने में पड़ने से घरेलू एयरलाइनों ने अक्टूबर में दूसरी बार यात्री यातायात में तेज वृद्धि देखी। घरेलू एयरलाइनों ने दशहरे के बाद के रविवार को रिकॉर्ड 3.27 लाख यात्रियों को हवाई सफर कराया था। अब दिवाली से पहले वीकएंड पर, एक नया रिकॉर्ड बना। शनिवार को 2,500 से अधिक घरेलू उड़ानों में 3.38 लाख यात्रियों ने सफर किया। 23 मार्च 2020 के बाद यह एक दिन में उड़ानों और यात्रियों की सबसे उच्च संख्या है। घरेलू हवाई यात्री यातायात ने इस महीने छह दिनों में प्रतिदिन 3 लाख का आंकड़ा पार किया। 18 अक्टूबर सोमवार को छोड़कर, बाकी सभी दिन सप्ताहांत वाले दिन थे। शुक्रवार की तुलना में शनिवार और रविवार को यात्रियों की संख्या अधिक पाई गई। इससे पहले इस साल मार्च के पहले सप्ताह में घरेलू यात्री यातायात लगभग 3 लाख प्रति दिन का आंकड़ा छू गया था। इसके बाद यह गिर गया क्योंकि कोविड की दूसरी लहर ने हवाई यात्रा की मांग को दूर कर दिया। एक एयरलाइन अधिकारी के मुताबिक, 'हम आने वाले सप्ताहांत के लिए यात्रियों की अधिक संख्या को ले जाने की उम्मीद करते हैं। आमतौर पर रविवार को दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों में आने वाली उड़ानों में यात्रियों की संख्या सबसे अधिक होती है।' त्योहारों की भीड़ से बचने के इच्छुक यात्रियों के लिए, मंगलवार का दिन उड़ान भरने का दिन होगा क्योंकि इस महीने के सभी हफ्तों में इस दिन यात्री यातायात कम होता है। उदाहरण के लिए 26 अक्टूबर मंगलवार को, एयरलाइंस ने कुल 2.56 लाख यात्रियों को ढोया, जबकि पिछले दिन सोमवार को यात्री यातायात 2.84 लाख था और बुधवार को यह 2.66 लाख था। इस महीने के शुरुआती हफ्तों के लिए भी ऐसा ही पैटर्न था।

यूएस फेड की बैठक से पहले सोने-चांदी में सुस्ती

नई दिल्ली। एजेंसी

दिवाली से पहले सोने की रौनक में कुछ कमी आई है। आमतौर पर दीवाली-धनतेरस से पहले घरेलू बाजारों में गोल्ड-सिल्वर की मांग बढ़ जाती है और मांग बढ़ने से दाम भी बढ़ते हैं लेकिन मजबूत डॉलर ने खेल बिगाड़ दिया। दरअसल आज ळए फेड की बैठक है जिसमें टेपरिंग को लेकर फैसला किया जाना है। इस बड़े इवेंट से पहले भी सोना थोड़ा नर्वस है। इसके अलावा हमारा फोकस होगा खाने के तेल में जिनमें नरमी दिखनी शुरू हो गई है।

सोने में कारोबार

घरेलू बाजार में सोने में सुस्ती के साथ कारोबार हो रहा है। श्र्ण में करीब सोना 47500 के स्तरों पर नजर आ रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी 1780 डॉलर के स्तरों पर नजर आ रहा है। डॉलर मे मजबूती के चलते दबाव देखने को मिल रहा है। महंगाई में उम्मीद से ज्यादा उछाल से डॉलर मजबूत बना हुआ है। निवेशकों की नजर ळए फेड की बैठक पर है। ळए फेड टेपरिंग को लेकर आज फैसला लेगा। कच्चा तेल 84 डॉलर के करीब कारोबार कर रहा है। अमेरिका में भंडार बढ़ने से दबाव बना हुआ है। क्रूड की इंवेंट्री 3.6mln bls बढ़ी है। 4 नवंबर को ध्ध्ण्ढ्ढ देशों की बैठक से पहले दबाव देखने को मिल रहा है। अमेरिका ने OPEC से उत्पादन बढ़ाने की अपील की है। इस बीच आम आदमी के लिए राहत भरी खबर है। त्योहारी सीजन में खाने का तेल सस्ता होना शुरू हो गया है। सरकार के उठाए कदमों का असर तो दिख रहा ही है सोने में सुहागा ये कि SEA का खाने के तेल के दाम और घटाने का फैसला किया है। सरकार के कदमों से दाम में थोड़ी नरमी आई है। पाम ऑयल 169.6 रुपये प्रति लीटर से घटकर 132.98 रुपये प्रति लीटर पर पहुंचा है। वहीं सोया तेल के दाम 155.65 रुपये/लीटर से घटकर 153 रुपये प्रति लीटर पर रहा है।

अक्टूबर में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां 10.5 साल में सबसे तेज रफ्तार से बढ़ीं : पीएमआई

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारत के सेवा क्षेत्र की गतिविधियां अक्टूबर में पिछले 10.5 साल में सबसे तेज रफ्तार से बढ़ी हैं। एक मासिक सर्वे में बुधवार को कहा गया है कि अनुकूल मांग परिस्थितियों के बीच कारोबारी गतिविधियों में सुधार से सेवा क्षेत्र की गतिविधियां भी तेज हुई हैं। मौसमी चक्र के साथ समायोजित भारत का सेवा व्यवसाय गतिविधि सूचकांक अक्टूबर माह में बढ़कर 58.4 पर पहुंच गया। सितंबर में यह 55.2 पर था। सर्वे में शामिल कंपनियों के अनुसार, नए कारोबार में बढ़ोतरी से उत्पादन में पिछले एक दशक से भी ज्यादा में सबसे तेज वृद्धि हुई है। इसके चलते अधिक रोजगार के अवसरों का सृजन हुआ। हालांकि, मुद्रास्फीतिक चिंताओं के बीच कारोबारी भरोसा कमजोर बना हुआ है।

लगातार तीसरे महीने सेवा क्षेत्र के उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। 50 से ऊपर होने पर खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) विस्तार को दिखाता है, जबकि इससे नीचे रहने पर यह गिरावट को दर्शाता है। आईएचएस मार्किट में सहायक निदेशक-अर्थशास्त्र, पोलिएन्ना डि लीमा ने कहा, ''इस क्षेत्र में पुनरुद्धार का यह लगातार तीसरा महीना रहा। कंपनियों की गतिविधियां 10.5 साल में सबसे तेजी से बढ़ी हैं। इससे रोजगार के अधिक अवसर भी पैदा हुए हैं।'' लीमा ने कहा कि मूल्य के मोर्चे पर बात की जाए, तो उत्पादन की लागत में तेज बढ़ोतरी हुई है लेकिन कंपनियों ने अपना शुल्क भी पिछले करीब साढ़े साल में सबसे तेजी से बढ़ाया है।

सर्वे में शामिल कंपनियों ने ईंधन की ऊंची कीमत, सामग्री, खुदरा, कर्मचारियों तथा परिवहन की ऊंची लागत का हवाला दिया है। उन्होंने कहा, ''सेवा क्षेत्र की कंपनियों का मानना है कि मुद्रास्फीतिक दबाव से आगामी वर्ष में वृद्धि प्रभावित हो सकती है। कारोबारी भरोसा कमजोर बना हुआ है।'' सर्वे के अनुसार, सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने अक्टूबर में अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति की है। हालांकि, यह वृद्धि बहुत तेज नहीं है लेकिन सितंबर की तुलना में बढ़ी है। इसके अलावा फरवरी, 2020 से सेवा क्षेत्र में नियुक्तियां सबसे तेज रही हैं।

इस बीच, अक्टूबर में देश में निजी क्षेत्र का उत्पादन भी अधिक तेजी से बढ़ा है। सेवा और विनिर्माण क्षेत्र का सामूहिक उत्पादन या सामूहिक पीएमआई उत्पादन सूचकांक अक्टूबर में बढ़कर 58.7 हो गया, जो सितंबर में 55.3 था। जनवरी, 2012 के बाद यह सबसे तेज विस्तार है।

आधार कार्ड का गलत इस्तेमाल पड़ेगा भारी, अब लग सकता है 1 करोड़ रुपये तक का जुर्माना

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारत सरकार ने आधार अधिनियमों का पालन ना करने वालों के खिलाफ अब 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने का अधिकार भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण को दे दिया है। कानून पारित होने के लगभग दो साल बाद सरकार ने इन नियमों की अधिसूचना जारी की है। इसके तहत ळध्ध्ढ्ढ आधार नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अधिकारियों की नियुक्ति कर सकता है। साथ ही दोषियों पर 1 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगा सकता है। सरकार ने 2 नवंबर को UIDAI (जुर्माने का अधिनिर्णय) नियम, 2021 की अधिसूचना जारी की।

इसके तहत UIDAI अधिनियम या UIDAI के निर्देशों का पालन ना होने की दशा में शिकायत की जा सकती है। UIDAI द्वारा नियुक्त किए गए अधिकारी ऐसे मामलों का फैसला करेंगे और ऐसी संस्थाओं पर 1 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगा सकते हैं। इन फैसलों के खिलाफ दूरसंचार विवाद निपटान और अपीलीय न्यायाधिकरण में अपील कर सकते हैं।

क्यों हुआ कानून में संशोधन?

सरकार, आधार और अन्य कानून (संशोधन) अधिनियम, 2019 लाई था ताकि UIDAI के पास कार्रवाई करने के लिए अधिकार हों। मौजूदा

आधार अधिनियम के तहत UIDAI के पास आधार कार्ड का गलत इस्तेमाल करने वाली संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई करने के अधिकार नहीं हैं। साल 2019 में पारित कानून में तर्क दिया गया था, 'निजता की रक्षा के लिए और UIDAI की स्वायत्तता सुनिश्चित करने के लिए इसको संशोधित करने की आवश्यकता है।' इसके बाद सिविल पेनाल्टी के प्रॉविजन के लिए आधार अधिनियम में एक नया चैप्टर जोड़ा गया।

2 नवंबर को अधिसूचित नए नियमों में कहा गया है कि फैसला लेने वाला अधिकारी भारत सरकार के संयुक्त सचिव के पद से नीचे का नहीं होगा। उसके पास 10 साल या उससे अधिक का कार्य अनुभव होगा। साथ ही उसके पास कानून के किसी भी विषय में प्रशासनिक या तकनीकी जानकारी होगी। साथ ही उसके पास प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी या वाणिज्य का कम से कम तीन साल का अनुभव होना चाहिए।

UIDAI के खाते में जमा होंगे पैसे

नियमों के मुताबिक,UIDAI अपने एक अधिकारी को प्रेजेंटिंग ऑफिसर के तौर पर नामित कर सकता है। वह प्राधिकरण की ओर से मामले को अधिकारी के समक्ष पेश करेगा। फैसला करने वाला अधिकारी निर्णय करने से पहले उस व्यक्ति या संस्था को नोटिस जारी करेगा जिसने कथित तौर पर उल्लंघन किया है। इसके बाद संबंधित संस्थान को यह कारण बताना होगा कि उस पर जुर्माना क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए। अधिकारी के पास तथ्यों और परिस्थितियों से परिचित किसी भी व्यक्ति को बुलाने और हाजिर कराने का अधिकार होगा। अधिकारी द्वारा लगाए गए किसी भी पेनाल्टी की राशि ळध्ध्ढ्ढ कोष में जमा की जाएगी। अगर पेमेंट नहीं किया जाए तो भू-राजस्व नियमों के तहत बकाया वसूल किया जा सकता है।

डीएचएल का बेंगलुरू एयरपोर्ट पर सबसे बड़ी एक्सप्रेस हैंडलिंग एयरसाइड फैसिलिटी प्रारंभ

22 मिलियन यूरो के निवेश के साथ 17 अंतर्राष्ट्रीय मालवाहक जहाजों का संचालन

बेंगलुरु। आईपीटी नेटवर्क

दुनिया के सबसे प्रमुख एक्सप्रेस सर्विस प्रदाता, डीएचएल एक्सप्रेस,ने अगले 10 सालों में 22 मिलियन यूरो (200 करोड़ रुपये) के निवेश के साथ भारत के बेंगलुरु में इंडस्ट्री का सबसे बड़ा कार्गो टर्मिनल खोला है। केम्पेरगौड़ा इंटनेशनल एयरपोर्ट पर स्थित जिस नए बेंगलुरु गेटवे का डीएचएल एक्सप्रेस ने विस्तार किया है, वह 112,000 वर्ग फीट तक फैला है। यह किसी भी पहले स्थापित किए गए कार्गो टर्मिनल से चार गुना से अधिक बड़ा है।

अपनी पूर्ण क्षमता से काम करने पर यह नया और विस्तृत कार्गो टर्मिनल हर साल 90 हजार टन से ज्यादा के शिपमेंट्स को हैंडल कर सकता है। इस विस्तारित बेंगलुरु गेटवे की अतिरिक्त क्षमता से डीएचएल एक्सप्रेस 12 से 24 घंटे तक तेज कनेक्शन ऑफर करने और भारत में आयात किए गए सामान की डिलिवरी तेजी से करने में सक्षम होगा। इससे शिपमेंट के पिकअप पर रोजाना लगने वाले समय में 60 मिनट की कटौती होगी।

डीएचएल एक्सप्रेस एशिया पेसिफिक के सीईओ केन ली ने कहा, 'दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में भारत ग्लोबल डीएचएल नेटवर्क का सबसे प्रमुख कनेक्टिंग पॉइंट है। बेंगलुरु गेटवे एशिया- प्रशांत में अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के हमारे 750 मिलियन यूरो के निवेश का हिस्सा है। इससे देशों और विभिन्न कारोबारियों के लिए कनेक्टिवटी बढ़ेगी। विदेश से काफी मात्रा में होने वाले आयात और निर्यात ने बेंगलुरु में आने वाले कार्गो की मात्रा बढ़ा दी है। हमारा नया कार्गो टर्मिनल अगले कुछ सालों में अपने एयरपोर्ट पर 1 मिलियन टन को संभालने की क्षमता की बेंगलुरु की रणनीति को समर्थन देगा।

सीबीआइसी के प्रिंसिपल डीजी सिस्टम्सो बरुआ सैलजा रे ने कहा, 'बेंगलुरू में डीएचएल एक्सनप्रेस के सबसे बड़े एक्सआप्रेस टर्मिनल का लॉन्च देशभर में एक्सैप्रेस लॉजिस्टिक्सप की वृद्धि को सहयोग करेगा। डीएचएल ने क्लियरेंस का मजबूत सिस्ट म बनाया है और बेंगलुरू में यह नई एवं विस्तारित फैसिलिटी व्यापार को और बढ़ावा देगी तथा व्यातपार एवं राष्ट्रह को शानदार सेवा मुहैया कराएगी। यह फैसिलिटी डिजिटलीकरण को बढ़ाएगी और कारोबार करने में आसानी लाएंगी, ये दोनों ही चीजें भारत के लिए प्रमुख रणनीतिक उद्देश्यि हैं।'

लॉन्च पर एम. श्रीनिवास, चीफ कमिश्नपर, कस्ट?म्स, कर्नाटक ने कहा, 'डीएचएलएक्स प्रेस द्वारा बेंगलुरू में लॉन्च अत्यामधुनिक फैसिलिटी भावी विकास को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। और यह उद्योग में एक स्वागत योग्य ट्रेंड है। यह फैसिलिटी हमारे देश के लिए वृद्धि को गति देने में प्रमुख भूमिका निभाएगी। हमारा फोकस सुरक्षा और ऑटोमेशन के स्तर पर है जिससे फिजिकल हैंडलिंग में कमी आई है और यह काफी सराहनीय है। डीएचएल एक हफ्ते में 11 अंतरराष्ट्रीय मालवाहक जहाज, 30 इंटरनेशनल कमर्शिल एयरलाइंस और 70 घरेलू फ्लाइट्स संचालित करती है। इस समय बेंगलुरु गेटवे अपने बेजोड़ ग्लोबल नेटवर्क से दक्षिणी और पश्चिमी भारत को 220 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों से कनेक्ट करता है। नवंबर 2021 तक मौजूदा बेड़े में छह अतिरिक्त2 समर्पित इंटरकॉन्टिनेंटल मालवाहक जहाज शामिल होंगे, जिससे बेंगलुरु होकर संचालित होने वाले कुल एयरक्राफ्ट्स की संख्या 17 को जाएगी। गेटवे का प्रमुख निर्यात कारोबार का मार्ग बेंगलुरु उत्तर अमेरिका और यूरोप है, जबकि शहर के लिए प्रमुख आयात मार्ग एशिया प्रशांत और यूरोप है। बेंगलुरु में यह विस्तारित गेटवे इलेक्ट्रॉनिक, ऑटोमोटिव, लाइफ साइंसेज, मेडिकल, फैशन इंडस्ट्री को काफी विस्तृत क्षमता के साथ सहयोग प्रदान करेगा। आधारभूत ढांचे के विस्तार और अतिरिक्त समर्पित डीएचएल फ्लाइट्स से लैस होकर इन कारोबारी मार्गों को बढ़ी हुई क्षमता और रफ्तार का ज्यादा लाभ मिलेगा। डीएचएल एक्सप्रेस इंडिया के एसवीपी और प्रबंध निदेशक आर. एस. सुब्रमण्यिन ने कहा, '10 साल पहले डीएचएल ने बेंगलुरु में अपना पहला मालवाहक जहाज उतारा था। इसी के साथ केम्पेबगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गेटवे भी खोला गया था। इसके बाद हमने यहां आने वाले सामान की मात्रा में काफी तेजी से उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई।

क्या फिर लौट आया कोरोना वायरस!

COVID-19 के मामले बढ़ने पर चीन में बढ़ी और सख्ती

एजेंसी ।

करीब दो साल पहले 2019 में चीन के वुहान से शुरू हुए कोरोना वायरस के कहर के बाद अब कई देश पुराने दिनों की ओर लौट रहे हैं। इसमें व्यापक स्तर पर कोरोना वैक्सीनेशन अभियान का अहम योगदान है। हालांकि, इसी बीच कुछ देशों में एक बार फिर घातक वायरस सिर उठाता दिख रहा है।चीन की राजधानी बीजिंग में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने यहां नियमों को सख्त कर दिया है। देश के दूसरे हिस्सों की यात्रा पर गए और वहां पर संक्रमण के मामले बढ़ने पर वापसी की यात्रा रद्द करने को कहा गया है। इसके साथ ही चीन की शून्य कोविड नीति के प्रभावी होने पर भी चिंता पैदा हो गई है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में 31 में से 19 प्रांतों में संक्रमण पाए गए हैं। चीन में बुधवार को 93 नए मामले दर्ज किए गए। चीन में अधिकारियों का कहना है कि वे तेजी से बढ़ रहे मामलों के बावजूद तथाकथित कोविड जीरो नीति बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बीजिंग के स्वास्थ्य आयोग ने कहा कि शहर से बाहर गए लोगों को अपनी वापसी की यात्रा रद्द कर देनी चाहिए अगर वे जहां पर गए हैं, वहां पर उनके रहने के दौरान कोविड-19 के मामलों की पुष्टि हुई है। आयोग ने कहा कि जो लोग

यात्रा से पहले ही बीजिंग लौट चुके हैं, उन्हें अपनी यात्रा की जानकारी स्थानीय समुदाय, होटल और कंपनी को तुरंत देनी चाहिए और स्व पृथकवास में चले जाना चाहिए। शहर की सरकार ने निवासियों से कहा कि वे जबतक जरूरी नहीं हो शहर से बाहर नहीं जाए क्योंकि 16 नगर पालिकाओं, प्रांतों और स्वायत्त क्षेत्र में संक्रमण के मामलों में उभार देखा गया है। स्वास्थ्य अधिकारी स्वयं उन लोगों के घर जाकर उनकी यात्रा संबंधी जानकारी सत्यापित कर रहे हैं। बीजिंग में पिछले महीने 20 मामले आए थे और अधिकारियों ने बताया कि रविवार को स्थानीय स्तर पर संक्रमण का नया मामला नहीं आया है। माना जा रहा है कि बीजिंग की स्थानीय सरकार यह कदम आठ से 11 नवंबर के बीच सत्तारूढ़ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की निर्णय लेने वाली उच्च इकाई के अधिवेशन की वजह से उठा रही है जिसमें करीब 370 अधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है। यह बैठक नेतृत्व परिवर्तन के लिए अगले साल होने वाले पार्टी सम्मेलन से पहले हो रही है। अगले साल फरवरी में बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक खेलों की भी मेजबानी करने वाला है। इस बीच, देश के विभिन्न हिस्सो में कोविड-19 के बढ़ते मामले चीन की शून्य कोविड की नीति की परीक्षा ले रहे हैं जिसके तहत चीन ने लोगों की विदेश यात्रा पर सख्ती से रोक लगाई है और राजनयिकों सहित विदेश से आने वालों के लिए 21 दिन के पृथकवास का नियम बनाया है। चीन के स्वास्थ्य आयोग ने रविवार को कोविड-19 के 92 मामले आने की जानकारी दी जिनमें से 59 मामले स्थानीय संक्रमण के हैं।

वाहन क्षेत्र के लिए मौजूदा त्योहारी सीजन एक दशक में सबसे खराब रहा : फाडा

नयी दिल्ली। एजेंसी

वाहन डीलरों के निकाय फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने कहा है कि कारोबार की दृष्टि से मौजूदा त्योहारी सीजन पिछले एक दशक में सबसे खराब रहा है। फाडा के सदस्यों में 15,000 से अधिक वाहन डीलर शामिल हैं। इन सदस्यों के देशभर में 26,500 से अधिक शोरूम हैं। फाडा के अध्यक्ष विन्केश गुलाटी ने कहा कि चिप की कमी से यात्री वाहन खंड में आपूर्ति प्रभावित हुई है। उन्होंने बयान में कहा, ''यह वाहन खुदरा क्षेत्र के लिए पिछले एक दशक का सबसे खराब त्योहारी सीजन रहा है। चिप की कमी से यात्री वाहन खंड में आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। इससे एसयूवी, कॉम्पैक्ट एसयूवी और लग्जरी खंड में वाहनों की काफी कमी हो गई है।'' उन्होंने कहा कि प्रवेश स्तर के वाहन खंड में भी मांग काफी कम है क्योंकि ग्राहक आज अपनी स्वास्थ्य जरूरतों के लिए पैसा बचा रहे हैं। गुलाटी ने कहा कि प्रवेश स्तर का दोपहिया खंड भी ग्रामीण क्षेत्रों में दिक्कतों तथा ईंधन की कमी की वजह से रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा है। ''लोग ऊंचे मूल्य का सामान खरीदने के बजाय स्वास्थ्य जरूरतों के लिए बचत कर रहे हैं।'' हालांकि, उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक वाहन खंड में स्थिति थोड़ी बेहतर है और माल की आवाजाही के लिए वाणिज्यिक वाहनों की मांग बढ़ रही है।'' धनतेरस के शुभ अवसर पर लोग वाहनों की आपूर्ति लेते हैं। हालांकि, अभी प्रमुख कंपनियों ने इस बारे में आंकड़े नहीं दिए हैं।एमजी मोटर ने जरूर कहा है कि उसने इस अवसर पर अपने ग्राहकों को मध्यम आकार की एसयूवी एस्टर की 500 इकाइयों की आपूर्ति की है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।